

फर्द अहकाम

बनाम

नाम न्यायालय

केस संख्या

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
<p>20/12/23</p> <p>सिद्धि</p> <p>Subj (अवकाश)</p> <p>No objection</p> <p>Ramk</p> <p>20/12/23</p> <p>एडवोकेट प्रसिदीया</p>	<p>20/12/23</p>	<p>वकील वार्दी के प्रार्थना पर आज्ञा प्रकाशकी तक्रार की जा कर पेश हुई। वकील वार्दी ने प्रार्थना वास्तु दावा विद्वा किमे जाने पेश किया। श.मि. हो। प्रार्थना वकील वार्दी को सुन गयी। वार्दी प्रकरण मे आगे कोई कार्यवाही नहीं चाहता है। वाद को विद्वा कड़ा चाहता है। अतः प्रार्थी के प्रार्थना पर वार्दी का वाद विद्वा किया जाता है। प्रार्थकमे गवा से कर होकर वाद तक्रारिक वास्तु दपता हो। (सुन गयी)</p> <p>प्रार्थक (साधनर)</p>